वार्तालाप नं.476, मैसूर, कर्नाटक, दिनांक 31.12.07
Disc.CD No.476, dated 31.12.07 at Mysore (Karnatak)

समयः 6.48-11.30

जिज्ञासु- बाबा, हिमालय पहाड़ तो अविनाशी है लेकिन वो सतयुग में होता है क्या?

बाबा- हिमालय पहाड़ अविनाशी है?

जिज्ञासु- हाँ। वो विनाश के टाईम पे उसको कुछ भी नहीं होगा ऐसे बाबा ने.....।

बाबा- हिम-आलय। हिम माना बर्फ, आलय माना घर। जो बर्फ का घर है। माना कोई मौसम ऐसा नहीं होता जहाँ, वहाँ बर्फ न हो। गरमियों में वहाँ पहुँच जाओ तो वहाँ चोटियों पर क्या दिखाई पड़ेगी? बर्फ ही बर्फ दिखाई पड़ेगी। और सर्दी में तो होती ही होती है। बरसात के दिनों में भी वहाँ बर्फ ही बर्फ। तो बर्फ का घर है। वो तो जड़ हिमालय है। जड़ हिमालय है तो कोई चैतन्य हिमालय भी तो होगा?

जिज्ञासु- हाँ, बाबा।

बाबा- कौन?

जिज्ञासु- बाप।

Time: 6.48-11.30
Student: Baba, the Himalayan Mountains are imperishable, but do they exist in the Golden Age?
Baba: Is the Himalayan Mountain imperishable?
Student: Yes. Nothing will happen to it at the time of destruction. Baba has said like this….
Baba: *Him-aalay. Him* means ice; *aalay* means house. It is a house of ice, i.e. there is no climate when it will not be covered by ice. Even if you reach there in summers, what will you find on the peaks there? You will see only ice. And in the winters it exists anyway. Even in the days of rainy season, there is only ice there. So, it is a house of ice. That is a non-living Himalaya. If there is a non-living Himalaya, then there must be some living Himalaya as well?
Student: Yes, Baba.
Baba: Who?
Student: The Father.

बाबा- बाप! अरे! जो जड़ हिमालय होगा। उसपर बर्फ जमी रहती है जड़। और जो चैतन्य हिमालय होगा वो मन-बुद्धिरूपी आत्मा होगी या कोई जड़त्वमई आत्मा होगी? मन-बुद्धिरूपी आत्मा तो होगी; लेकिन वो मन-बुद्धि रूपी आत्मा जाम होगी बर्फ की तरह या चलायमान होगी? मनन-चिंतन-मंथन करने वाली होगी कैसी होगी? हिमालय की। जो चैतन्य हिमालय होगा उसकी आत्मा किस कैटगरी की होगी? बर्फ की तरह जाम होगी? बर्फ कैसी होती है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जाम हो जाती है। तो उसकी आत्मा जाम होगी या मनन-चिंतन-मंथन करने वाली होगी? जाम होगी। तो कौन है वो आत्मा?

जिज्ञासु- बाप।

Baba: The Father! Arey! The non-living Himalaya is covered by non-living ice. And will the living Himalaya be a soul in the form of mind and intellect or a non-living soul? It will no doubt be a soul in the form of mind and intellect, but will that soul in the form of mind and intellect be frozen like ice or will it be dynamic? Will it think and churn or what will it be like? Himalay's. The soul of living Himalaya will be of which category? Will it be frozen like ice? What is ice like? It is frozen. So, will its soul be frozen or will it think and churn? It will be frozen. So, who is that soul?
Student: The Father.

बाबा- बाप! बाप की आत्मा बिल्कुल चलती नहीं है। मनन-चिंतन-मंथन करने वाली बिल्कुल नहीं है। जाम रहती है उसकी बुद्धि। बाप की बुद्धि जाम रहती है और कृष्ण बच्चे की बुद्धि चलायमान रहती है? (किसी ने कहा कृष्ण बच्चा है हिमालय ।) हाँ। हिमालय माना पार्वती का बाप। शास्त्रों में हिमालय किसका नाम दिया है? हिमालय राज। किसके बाप का नाम हिमालय राज है? पार्वती के बाप का नाम हिमालय राज दिया है। तो शास्त्रों में जो भी नाम हैं काम के आधार पर हैं या ऐसे ही नाम दे दिए हैं? काम के आधार पर है। क्या काम किया? इतनी मुरली सुनी कानों से। और सबसे पहले मुरली उन्हीं की आत्मा ने सुनी। लेकिन बुद्धि जाम। मुरली का कोई असर नहीं।

Baba: The Father! The Father's soul does not work at all. It does not think and churn at all. Its intellect remains frozen. The Father's intellect remains frozen and does the child Krishna's intellect remain dynamic? (Someone said the child Krishna is Himalaya) Yes. Himalaya means Parvati's Father. Who has been named Himalaya in the scriptures? Himalay Raj. Whose father's name is Himalay Raj? Parvati's father has been named Himalay Raj. So, are the names mentioned in the scriptures based on the task performed or have they simply been given the names? It is on the basis of tasks. Which task did he perform? He heard so many Murlis through the ears. And first of all it was his soul that heard the Murli. But the intellect was frozen. There was no effect of the Murli.

भले मुरली में 66 में ही, 65 में ही बोल दिया कि प्रजापिता शब्द ज़रूर लगाना चाहिए। अपने नाम के आगे क्या लगाना चाहिए? प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारी। लेकिन आज तक भी वो हिमालय और हिमालय के जो भी बच्चे हैं, चंद्रवंशी। आज तक भी उन्होंने इस बात गौर नहीं किया। क्या लिखते हैं अपने नाम के आगे? ब्रह्माकुमार-कुमारी। प्रजापिता शब्द लगाया? नहीं लगाया। माना मनन-चिंतन-मंथन उनकी बुद्धि करती ही नहीं। जामड़ी बुद्धि है। जाम रहती है। तो ऐसों के बाप का नाम है हिमालय। दुनियाँ का सबसे ऊचाँ पहाड़ है। तो वो हिमालय इस सृष्टि पर सदा काल रहता है, अविनाशी है या विनाशी है?

जिज्ञासु- अविनाशी है।

बाबा- एक बात बताओ। अविनाशी है? एक ने कहा अविनाशी है, एक कहते हैं विनाशी है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा ने कहा है इन आँखों से जो कुछ भी देखते हो वो सब विनाश हो जावेगा। हिमालय वो विनाशी है या अविनाशी है? इन आँखों से देखने में आता है ना।

जिज्ञासु- आता है।

बाबा- जब इन आँखों से देखने में आता है तो विनाशी हुआ ना। अविनाशी कैसे होगा?

Although in (19)66 itself, in (19)65 itself, it was said in the Murlis that the word 'Prajapita' should certainly be added. What should be prefixed to one's name? Prajapita Brahmakumar-kumari. But till date that Himalay and all the children of Himalay, the *Chandravanshis* (those who belong to the Moon dynasty), they have not paid attention to these words till date. What do they prefix to their name? Brahma Kumar-Kumari. Did they add the word 'Prajapita'? They did not. It means that their intellect does not think or churn at all. The intellect is jammed. It remains frozen. So, the name of the father of such ones is Himalay. It is the highest mountain of the world. So, does that Himalay remain forever in this world? Is it imperishable or is it perishable?

Student: It is imperishable.

Baba: Tell me one thing. Is it imperishable? One of you said that he is imperishable; another one is saying that he is perishable. Baba has said that whatever you see through these eyes, all that will perish. Is Himalay perishable or imperishable? He is visible to these eyes, isn't he?

Student: He is.

Baba: When he is visible to these eyes, he is perishable, isn't he? How can he be imperishable?

समयः 11.32-14.28

जिज्ञासु- बाबा, हम हिस्ट्री में देखते हैं कोई-2 राजा होते हैं अपना राज्य खो बैठते हैं। ऐसे ही बिज़नसमैन भी अपना बिज़नस खो बैठते हैं। वो क्या गलती किया है इस संगमयुग में?

बाबा- इस संगम में माना उनका एक ही जन्म होता है?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- नहीं? तो पूर्व जन्मों का हिसाब-किताब आता है ना उनके सामने।

जिज्ञासु- पर राजाई बनाने वाला बाप ही है ना।

बाबा- राजा कोई 21 जन्मों का श्रेष्ठ जन्मों का बनाता है या ये द्वापर, कलियुग के भ्रष्ट जन्मों का राजा बनाता है?

जिज्ञासु- पर उसके आधार पर ही.....

बाबा- नहीं, नहीं। वो नहीं बनाता है भ्रष्ट जन्मों का राजा। वो अपवित्र दुनियाँ का राजा बनाता है या पवित्र दुनियाँ का राजा बनाता है? वो तो 21 जन्मों की पवित्र दुनियाँ का राजा बनाता है। और खुद बनाता भी नहीं है। जो ऑटोमेटिक उसके कहे अनुसार पुरूषार्थ करेगा वो बनेगा।

Time: 11.32-14.28

Student: Baba, we see in the history that there are some kings who lose their kingship. Similarly, some businessmen lose their business. What mistake did they commit in this Confluence Age?

Baba: In this Confluence Age? Does it mean they take only one birth?

Student: No.

Baba: No? So, the karmic account of the past births comes in front of them.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: But only the Father establishes kingships, doesn't he?
Baba: Does He make us kings for 21 births, for righteous births or does He make us kings of the unrighteous births of this Copper Age, Iron Age?
Student: But on the basis of that itself…….
Baba: No, no. He does not make a king in the unrighteous births. Does He make us king of the impure world or of the pure world? He makes us king of the pure world of 21 births. And He does not make it Himself either. The one who makes *purusharth* (spiritual effort) *automatically* according to His versions will become (king).

जिज्ञासु- तो उसका कोई पुरूषार्थ नहीं है राजा बनने में?

बाबा- वो तो पिछले जन्म में उसने पुरूषार्थ किया है।

जिज्ञासु- इसीलिए बनता है।

बाबा- हाँ। ि◌फेक्टे◌ पुरूषार्थ किया है इसीलिए ि◌फेक्टे◌ राजा बना है।

जिज्ञासु- और राज्य खोने का क्या कारण है?

बाबा- राज्य खोने का यही कारण है कि पुरूषार्थ ि◌फेक्टे◌ है। श्रीमत के अनुकूल पुरूषार्थ नहीं किया। पिछले जन्म में पुरूषार्थ तो किया है। अच्छा पुरूषार्थ किया है, तपस्वी है। तपस्या की है लेकिन वो तपस्या अल्पकालीन की तपस्या है। अपन को आत्मा समझकर बाप को याद करने की अविनाशी तपस्या नहीं है।

Student: So, does he not make any *purusharth* to become a king?
Baba: He has made *purusharth* in his past birth.
Student: This is why he becomes (such king).
Baba: Yes. He has made defected *purusharth*. This is why he has become a defected king.
Student: And what is the reason for losing the kingdom?
Baba: The reason for losing the kingdom is that the *purusharth* are defected. He did not make *purusharth* according to *shrimat*. He no doubt made *purusharth* in the past birth. He made good *purusharth*; he is a *tapasvi* (the one who does *tapasya*[1]). He did *tapasya*, but that *tapasya* is temporary. He did not make imperishable *tapasya* of remembering the Father by considering the self to be a soul.

जिज्ञासु- पर उधर श्रीमत नहीं होता है ना बाबा।

बाबा- कहाँ?

जिज्ञासु- द्वापर या कलियुग में।

बाबा- द्वापर, कलियुग में कहाँ श्रीमत है? श्रीमत नहीं है तभी तो ि◌फेक्टे◌ तपस्या है।

जिज्ञासु- तो गलती क्या होती है? श्रीमत तो वो जानते ही नहीं।

बाबा- उनकी गलती संगमयुग में हुई। कि संगमयुग में उन आत्माओं ने जब बाप ने आकरके अपनी पहचान दी और रास्ता बताया कि इस रास्ते पर चलो तो उसपर ध्यान नहीं दिया श्रीमत पर। अपनी मनमत पर चलाया तो उनकी द्वापर, कलियुग की शूटिंग उसी समय हो गई। नहीं समझ में आया?

[1] Intense remembrance

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- थोड़ा-2 समझा।
Student: But there is no *shrimat* there Baba, isn't it?
Baba: Where?
Student: In the Copper Age or in the Iron Age.
Baba: Where is the *shrimat* in the Copper Age and Iron Age? There is no *shrimat*, this is why the *tapasya* is defected.
Student: So, what mistake do they commit? They do not know *shrimat* at all.
Baba: They committed mistake in the Confluence Age. In the Confluence Age when the Father came and gave His introduction and showed the path asking them to follow the path, those souls did not pay attention to the *shrimat*. They followed the opinion of their mind. So, they performed the shooting of the Copper Age and Iron Age at that time. Did you not understand?
Student: I understood to some extent.

बाबा- थोड़ा-2 क्यों? अरे! अभी हम जो पुरूषार्थ कर रहे हैं। वो अपनी मनमत पर पुरूषार्थ करते हैं या नहीं? करते हैं। और दूसरे मनुष्यों की मत पर पुरूषार्थ करते हैं या नहीं, दूसरों से प्रभावित होकरके? वो भी करते हैं। और श्रीमत पर पूरा पुरूषार्थ कभी-2 करते हैं या नहीं? वो भी करते हैं। तो श्रीमत के अनुकूल हम जो भी कर्म करते हैं, पुरूषार्थ करते हैं। उसका फल हमको सतयुग, त्रेतायुग में प्राप्त होगा। क्या? और मनुष्यों की मत पर या मनमत पर जो कार्य करते हैं उसका ऊजूरा हमें कहाँ मिलेगा? द्वापर, कलियुग में मिलेगा।
Baba: Why a little? Arey! The *purusharth* that we are making now, do we make *purusharth* on the opinion of our mind or not? We do. And do we make *purusharth* on the opinion of other human beings or not, by becoming influenced by others? We do that as well. And do we sometimes make complete *purusharth* on *shrimat* or not? We do that too. So, whatever actions we perform in accordance with *shrimat,* whatever *purusharth* we make. We will get its fruits in the Golden Age and in the Silver Age. What? And where will we get the returns for the tasks that we perform on the opinion of the human beings or on the opinion of our mind? We will get in the Copper Age, Iron Age.

समय-14.32-15.35

जिज्ञासु- बाबा, अष्टदेव तो मायाजीत और प्रकृतिजीत है। क्या वे लोग....।

बाबा- हैं नहीं अभी।

जिज्ञासु- हाँ होंगे।

बाबा- हो जायेंगे।

जिज्ञासु- क्या वे लोग शारीरिक बीमारी से भी छूटे होंगे?

बाबा- वो लोग क्यों?

जिज्ञासु- बाप को छोड़ के।
Time: 14.32-15.35
Student: Baba, the eight deities are conquerors of maya and nature. Do those people....
Baba: They are not so now.
Student: Yes, they will become (in future).
Baba: They will become.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Will they be free from physical illnesses?
Baba: Why [only] them?
Student: Except the Father.

बाबा- जो भी सतयुग में जाने वाली आत्मायें होंगी जिनकी यादगार बनती है शालिग्राम। रूद्रयज्ञ रचते हैं कितने शालिग्राम बनाते हैं? लाख, 2 लाख शालिग्राम बनाते हैं ना। वो सारे ही ऐसी स्टेज वाले होंगे, आठ तो क्या?

जिज्ञासु- अभी की बात।

बाबा- अभी तो वो बात ही नहीं है। अभी आत्मा बना कौन है? सबको तो देहभान आ रहा है। नहीं आ रहा है अभी? पहले कृष्ण बच्चा सुधरेगा या पहले और दूसरे सुधर जायेंगे? पहले तो कृष्ण बच्चा आत्मा बने ना। उसको तो देहभान आना बंद हो। वो अपने देहभान से परे हो जाए, बाप को पहचाने कि गीता का भगवान कौन। दूसरे कैसे हो जायेंगे फिर।

Baba: All the souls which go to the Golden Age, whose memorials are made in the form of *Shaligrams*; how many shaligrams are prepared when a *Rudra Yagya* is organized? A hundred thousand or two hundred thousand *shaligrams* are prepared. It is not just the question of eight; all of them will be in such a stage.
Student: I am asking about the present time.
Baba: Now that stage is not at all there. Who has become a soul (i.e. completely soul conscious)? Everyone is becoming body conscious [now]. Are they not (becoming body conscious) at present? Will child Krishna reform first or will others reform first? First child Krishna should become a soul, shouldn't he? He should stop becoming body conscious. He should become free from his body consciousness; he should recognize the Father as to who is God of the Gita. How can others become [soul conscious]?

समय-15.50-16.42

जिज्ञासु- बाबा, इनका पूछना है कि सूक्ष्म शरीरधारी कैसे देखते हैं?

बाबा- सूक्ष्म शरीरधारी कैसे देखते हैं? शरीर में प्रवेश करके देखते हैं।

जिज्ञासु- बिना शरीर के भी वो देख सकते हैं क्या?

बाबा- हाँ। जिसमें प्रवेश करते हैं उसके द्वारा देखते हैं।

जिज्ञासु- नहीं वो जहाँ भी चाहे जा सकते हैं ना। इसीलिए वो पूछ रहे हैं।

बाबा- हाँ जा सकते हैं।

Time: 15.50-16.42
Student: Baba, he wants to ask how the subtle bodied souls see.
Baba: How do subtle bodied souls see? They enter a body and see.
Student: Can they see even without the body?
Baba: Yes. They see through the ones in whom they enter.
Student: No, they can go wherever they wish, can't they? This is why he is asking.
Baba: Yes, they can go.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- वो कैसे देखती है उस समय?

बाबा- जैसे आत्मा जाती है वैसे सूक्ष्म शरीर भी जाता है। जैसे हम रात में सोते हैं और सोते-2 कहाँ-2 घूम आते हैं। घूमे आते हैं ना। वो पूर्व जन्म की स्मृति है ना शरीर के द्वारा। उस स्मृति के आधार पर उनको स्मृति आती है।

जिज्ञासु- बिना शरीर के वो देख नहीं सकती।

बाबा- बिना शरीर के कोई काम नहीं होता दुनियाँ में।

जिज्ञासु- शरीर के द्वारा ही देख सकती है।

बाबा- हाँ।

Student: How do they see at that time?
Baba: Just as a soul goes, the subtle body also goes. Just as when we sleep in the night and during our sleep we travel so many places. We travel, don't we? There is a memory of the past birth through the body. They recollect on the basis of that memory.
Student: They cannot see without the body.
Baba: No task can be performed without a body in the world.
Student: They can see only through the body.
Baba: Yes.

समय-16.45-21.47

(किसी जिज्ञासु ने कोई संस्कृत श्लोक पढ़कर सुनाया)

बाबा- एक-एक बात पूछो तो बात क्लियर हो। पूरा श्लोक पढ़ दिया।

जिज्ञासु- कालहर।

बाबा- काल हर। काल का हरण कर ले माना काल के ऊपर विजय प्राप्त कर ले। किसी का हरण कर लिया ना। तो जिसका हरण किया उसकी हार हो गई या जीत हो गई? उसकी हार हो गई। तो कालहर का मतलब है जो काल है उसका भी हरण कर ले। काल को भी जीत ले। हरण कर ले माना उसके ऊपर विजय हो गई। तो इस दुनियाँ में काल किसको कहा जाता है? समय को। काल माना? काल माना समय। अभी जो कलियुग का समय है। वो कलियुग के समय को हरण कर लिया जाए। पाप का युग हरण कर लिया जाए। तो पाप के युग को हरण करने में जो अव्वल नंबर जाता है उसको कहते हैं हर-हर महादेव। क्या? काल को परिवर्तित करने में सबसे आगे जाने वाली आत्मा का गायन हो गया। हर-हर महादेव।

Time: 16.45-21.47
(A Student read out a Sanskrit Shloka)
Baba: Ask one by one so that it could be clarified. You have read out the entire *shloka*.
Student: *Kaalhar.*
Baba: *Kaal har*. The one who controls (*haran*) time (*kaal*), i.e. the one who conquers time. Someone has been seized, hasn't he? So, did the one who has been seized lose or win? He lost. So, *kaalhar* means the one who controls even time, the one who conquers even time. Seizing (of time) means gaining victory over it. So, what is called *kaal* in this world? Time. What does *kaal* mean? *Kaal* means time. Now it is Iron Age. If the period of the Iron Age is conquered, if the Age of sins is conquered; so the one who becomes number one in

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

conquering the age of sins is called *Har-Har-Mahadev*. What? The soul who went ahead of everyone in transforming the time was glorified as *Har-Har-Mahadev*.

जिज्ञासु- कलातीत।

बाबा- कलातीत। कलाओं के ऊपर भी अतीत हो जाता है और काल ऊपर भी विजय प्राप्त करता है। माना काल तो जड़ है और आत्मा चैतन्य है। ज्यादा पावरफुल कौन है? चैतन्य आत्मायें ज्यादा पावरफुल हैं;लेकिन माया के प्रभाव में है तो चैतन्य नहीं है। माया रावण जो है। वो माया रावण काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार। और साथ-साथ पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश। पाँच तत्वों का भी आवरण और पाँच विकारों को भी आवरण। इसीलिए आत्मायें चैतन्य होते हुए भी काल के ऊपर विजय प्राप्त नहीं कर सकतीं; लेकिन काल के ऊपर आत्मा विजय प्राप्त कर सकती है। कब? जब पाँच विकारों पर भी विजय प्राप्त करे। और पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश ये पाँच तत्व उसको आकर्षित न कर सके। तो ऐसी स्टेज में जो आत्मा पहले-पहले पहुँचती है...। क्या? आठ आत्माओं को पहले-पहले विजयी बनाए लेती है। अपने वायब्रेशन से। 12 आत्माओं को पहले-पहले विजयी बनाए लेती है। 100 आत्मायें पहले-पहले विजयी बन जायेंगी। 108 आत्मायें पहले-पहले विजयी बन जायेंगी। वो किसके आकर्षण से विजयी बनी? किसके योगबल से विजयी बनी? महाकाल जिसको कहा जाता है।

Student: *Kalaateet.*

Baba: *Kalaateet.* He goes beyond the stage of celestial degrees and gains victory over time as well. It means that time is non-living and the soul is living. Who is more powerful? The living souls are more powerful, but if they are under the influence of Maya, they are not living. The Maya Ravan. That Maya Ravan i.e. lust, anger, greed, attachment, ego; and along with that, earth, water, wind, fire and sky; the envelope of five elements as well as the envelope of five vices. This is why despite the souls being living-souls, they cannot gain victory over time, but a soul **can** gain victory over time. When? When it conquers even the five vices. And the earth, water, wind, fire, sky - these five elements are not be able to attract it. So, the soul which reaches such a stage first of all… what? It first of all makes eight souls victorious through its vibrations. It first of all makes 12 souls victorious. 100 souls will first of all become victorious. 108 souls will first of all become victorious. Through whose attraction did they become victorious? Through whose power of yog did they become victorious? [Through] the one who is called *Mahaakaal*.

कौन है महाकाल? जो पहला-पहला नंबर है वो ही महाकाल है। तो कहते हैं कालहर। काल को भी हरण कर लिया। काल तो जड़ है। ये सृष्टिचक्र क्या है? ये कालचक्र है। सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग ये क्या है? काल चक्र है। इस कालचक्र को भी परिवर्तित करने में जो आगे बढ़े। हनुमान चालीसा में हनुमान को भगवान बना दिया। चारों युग प्रताप तुम्हारा, है प्रसिद्ध जगत उजियारा। चारों युगों में हनुमान का प्रताप है। क्या प्रताप है? कि हर युग को परिवर्तन करने में वो आत्मा आगे है। प्रजापिता वाली आत्मा सतयुग में है पहला देवता। सतयुग आएगा तो पहला देवता कौन होगा? नर-नारायण। त्रेता में पहला क्षत्रिय, द्वापर में

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पहला वैश्य, कलियुग में पहला शुद्र। तो उन्होंने हनुमान चालीसा बना दी। चारों ओर प्रताप तुम्हारा, है प्रसिद्ध जगत उजियारा। तो काल को परिवर्तित करने वाला कौन हुआ? महाकाल। ये कालहर का अर्थ हुआ।

Who is *Mahakaal*? The one who is number one is himself *Mahakaal.* So, He is called *Kaalhar.* He seized time as well. Time is non-living. What is this world cycle? This is a cycle of time (*kaal chakkra*). What is this Golden Age, Silver Age, Copper Age, Iron Age? It is a cycle of time. The one who goes ahead in transforming the cycle of time (*kaalchakra*) as well [is Kaalhar]. Hanuman has been made God in Hanuman Chaalisa[2]. *'Chaaron yug prataap tumhara, hai prasiddh jagat ujiyara'*. (There is your glory in all the four ages. Your radiance is famous in the entire world) There is glory of Hanuman in all the four ages. What is the glory? That soul is ahead in transforming every age. The soul of Prajapita is the first deity in the Golden Age. When Golden Age comes, who will be the first deity? *Nar-Narayan*. [He is the] first *Kshatriya* in the Silver Age, first *Vaishya* in the Copper Age, first *Shudra* in the Iron Age. So, they prepared the Hanuman Chaalisa. *'Chaaron yug prataap tumhara, hai prasiddh jagat ujiyara'*. So, who transforms the time? *Mahaakaal*. This is the meaning of *Kaalhar*.

जिज्ञासु- और पूर्व जन्म निवारक कैसे?

बाबा- पूर्व जन्म निवारक। जो भी हमने 63 जन्म लिए हैं। उन 63 जन्मों के पापों का निवारण कर दे। बाप की याद से ही 63 जन्मों के पाप का निवारण होता है ना। तो जो पहले-2 हो वो पूर्व जन्म निवारक हो गया। जन्म-मरण के चक्र से, पाप से मुक्त हो गया। बाकी 21 जन्मों को तो निवारण करने की बात ही नहीं। दुख का निवारण करना होता है या सुख का निवारण करना होता है? दुख का निवारण करना होता है। तो दुखी जन्म कितने हैं? 63 जन्म। तो वो ही पूर्व जन्मों की बात है। बाकी 21 जन्मों की बात नहीं है।

Student: And how is He *'poorva janma nivaarak' (liberator of the previous births)*?

Baba: *Poorva janma nivaarak*. The one who liberates us from the sins of the past 63 births we took. It is only through the remembrance of the Father that the sins of 63 births are burnt. So, the one who is ahead of everyone (in this task) is *poorva janma nivaarak*. He became free from the cycle of birth and death, from sins. As regards the 21 births, there is no question of becoming free from them. Should we be liberated from sorrow or from happiness? We should be liberated from sorrow. So, in how many births do we experience sorrow? 63 births. So, it is about those past births. It is not about the 21 births.

समय: 21.49-23.12

जिज्ञासु- बाबा, देवासुर संग्राम में देवतायें और असुर सागर मंथन करते हुए दिखाते हैं चित्रों में।

बाबा- हाँ। चित्रों में दिखाते हैं इस समय की यादगार।

जिज्ञासु- पर इधर हम देखते हैं सिर्फ एक पर्सनालिटी सागर मंथन करता है।

बाबा- ऐसी बात तो नहीं है। बहुत से ऐसे प्वाईन्ट हैं जो सिर्फ एक ने तो नहीं निकाले हैं। और सबका भी कुछ न कुछ योगदान है।

[2] Hymns in praise of Hanuman

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 21.49-23.12
Student: Baba, deities and demons are shown to be churning the ocean during the war between the deities and the demons in the pictures.
Baba: Yes. The memorial of the present time is shown in the pictures.
Student: But here we see that only one personality churns the ocean.
Baba: It is not so. There are many points that only one (personality) has not produced. All others have some or the other contribution too.

जिज्ञासु- परंतु उस एक को नहीं दिखाते हैं। जो अव्वल नंबर है, जो बहुत सागर मंथन किया है उसको नहीं दिखाते हैं। सिर्फ सागर मंथन में असुर एक तरफ होते हैं और.....।
बाबा- जो दिखाने वाले हैं। जिन्होंने सागर मंथन दिखाया है, चित्र बनाया है। वो दिखाने वाली आत्मायें हैं या परमात्मा है? आत्मायें हैं। तो जो दिखाने वाली हैं सागर मंथन वो आत्मायें हैं। और आत्मायें जो हैं वो....।
जिज्ञासु- वो परमात्मा को गुम कर दिया।
बाबा- हाँ। चाहे विष्णु का चित्र बनाया हो, चाहे सागर मंथन का चित्र दिखाया हो। उन्होंने अपने को दिखाए दिया है सागर मंथन करते हुए। बाप को गुम कर दिया और ब्राह्मणों को गुम कर दिया। असली बात है बाप की और ब्राह्मणों की।
Student: But that 'one' is not shown. The number one soul, who has churned the ocean a lot, is not shown. During the churning of the ocean (in the pictures) there are demons on the one side and.....
Baba: Those who have shown; those who have shown the churning of ocean, those who have prepared the picture. Are the ones who have shown souls or is it the Supreme Soul? They are souls. So, those who show the churning of ocean are souls. And the souls...
Student: They have hidden the Supreme Soul.
Baba: Yes. Whether they have prepared the picture of Vishnu or the picture of churning of ocean; they have shown themselves churning the ocean. They have hidden the Father and they have hidden the Brahmins. Actually it is about the Father and the Brahmins.

समय: 23.13-25.00
जिज्ञासु- बाबा, अष्टदेव तो अंत में कोई ने कोई धर्म में जाकर गिरते हैं। अंतिम जन्म में। पर वे लोग इसके पहले जन्मों में भी बाप के साथ जाकर जन्म लेते हैं। राजाई स्थापन करने के लिए।
बाबा- ठीक है।
जिज्ञासु- तो क्या उस समय उनको संग का रंग.....
बाबा- नहीं। बाप है ना साथ में। सेनापति कौन है?
जिज्ञासु- उसका प्रभाव नहीं होता।
बाबा- हाँ। साथ में है तो प्रभाव कैसे होगा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 23.13-25.00
Student: Baba, the eight deities fall into some religion or the other in the end. In the last birth. But these people are born with the father also in the previous births to establish kingship.
Baba: It is correct.
Student: So, are they coloured by the company at that time...
Baba: No. The father is with them, isn't he? Who is the commander of the army?
Student: It (i.e. the company of other religions) does not cast any influence.
Baba: Yes. When he is with them, how will it influence them?

जिज्ञासु- बाबा, उस समय सभी अष्टदेव पुरूष रूप में ही होते हैं क्या?
बाबा- जब युद्ध करेंगे तो देव ही होंगे। देवियाँ थोड़े ही युद्ध करने जाती हैं।
जिज्ञासु- हाँ। इसीलिए पूछा बाबा। पर इस संगमयुग में तो स्त्री रूप में भी है। अष्टदेव जो बनते हैं यहाँ।
बाबा- वो देवी रूप में भी हैं वो स्वभाव संस्कार से कैसे हैं?
जिज्ञासु- पुरूष।
Student: Baba, at that time do all the eight deities exist in male form?
Baba: When they fight a war, they will be male deities only. Do the female deities go to wage a war?
Student: Yes. This is why I asked Baba. But in this Confluence Age they are also in a female form. Those who become eight deities here.
Baba: They are also in the form of female deities; but, how is their nature and sanskar?
Student: Male.

बाबा- यहाँ तो आत्मा का स्वभाव संस्कार देखा जाता है। देह थोड़े ही देखी जाती है।
जिज्ञासु- तो सभी जब राजाई स्थापन करते हैं, सभी अष्टदेव पुरूष रूप में ही होते हैं।
बाबा- ज़रूर होंगे। वो राजाई की स्थापना जो है वो देहअभिमानी राजाई है या आत्माभिमानियों की राजाई है?
जिज्ञासु- आत्माभिमानी।
बाबा- आत्माभिमानियों की राजाई होती है 63 जन्मों में?
जिज्ञासु- 63 जन्म में देहअभिमानियों की।
बाबा- देहअभिमानियों की राजाई है। देहअभिमानियों की राजाई की स्थापना देहअभिमानी बाप करेगा या रूहानी बाप करेगा? देहअभिमानियों का बाप जो है वो देहअभिमान की राजाई की स्थापना करता है। और आत्माभिमानी बाप जो है वो आत्माभिमानी दुनियाँ सतयुग, त्रेता की राजाई की स्थापना करता है।
Baba: Here, the nature and sanskars of the soul are observed. The body is not observed.
Student: So, when all of them establish a kingship, all the eight deities are in a male form only.
Baba: Certainly. Is the kingship that is established a kingship of body consciousness or a kingship of soul conscious people?
Student: Soul conscious.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Do the soul conscious people rule in 63 births?
Student: The body conscious people rule in 63 births.
Baba: It is a kingship of body conscious ones. Will the kingship of body conscious ones be established by the body conscious father or the spiritual father? The father of body conscious ones establishes a kingship of body consciousness. And the soul conscious Father establishes the soul conscious kingship of Golden Age and Silver Age.

समय-25.02-26.28

जिज्ञासु- बाबा, अष्टदेव में सभी ब्राह्मण जन्म ही लेते हैं या अलग-अलग जन्म लेते हैं।

बाबा- वो तो अष्टदेव प्रत्यक्ष हों तब पता चले ना। अभी से कैसे बता दें। अभी तो दो ही प्रत्यक्ष हुए हैं ना। ये नहीं देखा जाता है कि जन्म से ब्राह्मण हैं वो बात पक्की करनी है या कर्म से ब्राह्मण हैं वो बात देखनी है?

जिज्ञासु- जन्म से भी, कर्म से भी।

बाबा- दोनों से होना चाहिए?

जिज्ञासु- हाँ।

बाबा- ये कोई बात नहीं होती। कलियुग के अंत में कर्म से ब्राह्मण होते हैं या जन्म से ब्राह्मण होते हैं? मोस्टली किससे होते हैं?

जिज्ञासु- बाबा, पहला अष्टदेव तो जन्म से, कर्म से दोनों से ही....।

Time: 25.02-26.28
Student: Baba, do all the eight deities take birth only as Brahmins or do they take different births (i.e. in different classes)?
Baba: That will be known only when those eight deities are revealed. How can we say that now itself? Only two have been revealed so far. It is not seen whether he is Brahmin by birth (or not). Should we become firm in that aspect (of physical birth) or should we observe whether someone is Brahmin by act?
Student: Both by birth and by act.
Baba: Should it be in both the ways?
Student : Yes.
Baba: That is not true. In the end of the Iron Age, are people Brahmins by act or Brahmins by birth? What are they mostly?
Student: Baba, the first deity among the eight deities is (a Brahmin) by birth as well as by act.....

बाबा- अच्छा जो अष्टदेवों के लिस्ट में नहीं होते हैं। अष्टदेवों के लिस्ट में नहीं हैं। क्या? लेकिन फिर भी ब्राह्मण हैं। जैसे तीन मूर्तियाँ हैं। तीनों मूर्तियाँ अष्टदेवों के लिस्ट में हैं?

जिज्ञासु- एक मूर्ति।

बाबा- एक मूर्ति अष्टदेव के लिस्ट में है। बाकी दो मूर्तियाँ अष्टदेव के लिस्ट में नहीं है। लेकिन फिर ब्राह्मण हैं या नहीं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- ब्राह्मण हैं।

बाबा- ब्राह्मण हैं। जगदम्बा अष्टदेवों के लिस्ट में नहीं है। फिर भी ब्राह्मण है या नहीं? ब्राह्मण है।

Baba: OK, those who are not included in the list of eight deities, those who are not in the list of eight deities. What? But even so they are Brahmins. For example, the three personalities. Are all the three personalities in the list of eight deities?
Student: One personality.
Baba: One personality is in the list of eight deities. Rest two personalities are not in the list of eight deities. But still, are they Brahmins or not?
Student: They are Brahmins.
Baba: They are Brahmins. Jagadamba is not in the list of eight deities. Yet, is she a Brahmin or not? She is a Brahmin.

समय-26.31-29.00

जिज्ञासु- बाबा, बाप का संग का रंग बिना मिले ही, केवल याद के बल से ले सकते हैं?

बाबा-आँखों ने जिसका संग किया होगा वो ही याद आवेगा या आँखों ने जिसका संग ही नहीं किया वो याद आवेगा? आँख देखती है ना। तो आँखों ने जिसको देखा है वो ही याद आवेगा या जिसको देखा ही नहीं है वो याद आवेगा? अच्छा, ऐसे समझ लो ब्रह्माबाबा थे। उनमें शिवबाबा आते थे। प्रजापिता वाली आत्मा ने ब्रह्मा बाबा को देखा ही नहीं होगा क्योंकि जब तक ब्रह्मा साकार में रहता है तब तक वो आत्मा ज्ञान में नहीं आती। जब वो शरीर छोड़ जाता है उसी साल ज्ञान में आती है। तो आँखों से देखा ही नहीं तो निराकार ज्यादा याद आता है या साकार ज्यादा आता है उसे?

जिज्ञासु- निराकार।

Time: 26.31-29.00
Student: Baba, can we be colored by the Father's company without meeting Him, only through the power of remembrance?
Baba: Will we remember someone in whose company our eyes have been or will be remember someone in whose company our eyes have not been at all? It is the eyes which see, isn't it? So, will someone whom our eyes have seen come to the mind or will someone whom our eyes have not seen at all come to the mind? OK, suppose, there was Brahma Baba ; Shivbaba used to come in him. The soul of Prajapita will not have seen Brahma Baba at all because as long as Brahma was in corporeal form, that soul did not enter the path of knowledge. When he left the body, he entered the path of knowledge in the same year. So, when he has not seen (Brahma Baba) through the eyes at all, then does he remember the incorporeal more or the corporeal more?
Student: The incorporeal one.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- क्यों? क्योंकि इन आँखों से देखा ही नहीं। जब आँखों से देखा ही नहीं है तो वो याद ही नहीं आता। और जिन्होंने गोद में पालना ली है, आँखों से उसको ही देखते रहे हैं। उनको इतना याद आता है कि उनकी बुद्धि में साकार सो निराकार बैठता ही नहीं। तो प्रश्न का जवाब मिला?

जिज्ञासु- हाँ।

बाबा- क्या?

जिज्ञासु- एक बार मिलना ही चाहिए।

बाबा- कम से कम।

जिज्ञासु- लेकिन बाद में बिना मिले भी....।

बाबा- कम से कम एक बार देखना ज़रूरी है।

Baba: Why? Because he did not see (Brahma Baba) through these eyes at all. When he did not see through the eyes at all, then he does not remember him at all. And those who have obtained sustenance in the lap (of Brahma), those who have been seeing only him through the eyes, he comes to their mind to such an extent that the idea of incorporeal one within the corporeal one does not sit in their intellect at all. So, did you get the reply to your question?
Student: Yes.
Baba: What?
Student: We should definitely meet once.
Baba: At least.
Student: But later on (we can remember) even without meeting....
Baba: It is necessary to see at least once.

जिज्ञासु- इन आँखों से।

बाबा- इन आँखों से। अगर 63 जन्मों का साथ रहा होगा। तो एक बार का, एक सेकण्ड का देखना ही इतना तीखा असर करेगा कि वो भूलेगा नहीं। माना अव्यक्त वाणी में बोला है- एक बार की स्मृति सदाकाल के लिए स्थाई बनाई जा सकती है। क्या? एक बार की स्मृति। स्मृति का अनुभव जो है वो एक बार स्मृति का अनुभव किया। एक बार की स्मृति का अनुभव सदा काल के लिए स्थाई बन सकता है।

Student: Through these eyes.
Baba: Through these eyes. If we had been in his company for 63 births, then just a onetime glance, a glance of just one second will also have such a strong influence that we cannot forget it. It means that it has been said in an *avyakta vani* that the memory of a moment can be made permanent. What? One time memory. The experience of memory was obtained once. The one-time experience of memory can become permanent.

समयः 29.05-29.45

जिज्ञासु- बाबा, बेसिकली कट उतरना मतलब क्या?

बाबा- बेसिकली माना प्राईमरिली।

जिज्ञासु- मतलब उधर कौनसी कट उतर जाती है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- माना ब्रह्मा बाबा को याद करने की ज्यादा उनको वो नहीं रहती। बस बिंदु को याद किया। वो बुद्धि (में) बिंदु बैठ जाता है। आत्मिक स्थिति पक्की होने लगती है, निराकार याद आने लगता है। आत्मा की कट उतरी माना आत्मा की याद आने लगी। ये नहीं मालूम पड़ता है कि आत्मा ने कितने जन्म लिए; लेकिन आत्मिक स्थिति बन जाती है। मैं आत्मा हूँ, मैं स्टार हूँ।

Time: 29.05-29.45
Student: Baba, what is meant by removal of the *cut* (i.e. rust) basically?
Baba: Basically means primarily.
Student: I mean to ask, which *cut* (i.e. rust) is removed?
Baba: It means that he does not need to remember Brahma Baba more. He remembers just the point. That point sits in the intellect. The soul conscious stage starts becoming firm; the incorporeal one starts coming to the mind. Removal of the *cut* (i.e. rust) of the soul means he started remembering the soul. He does not come to know how many births a soul has taken, but he attains the soul conscious stage. I am a soul; I am a star.

समय:30.00-30.52

जिज्ञासु- बाबा, जब शारीरिक रोग आता है □ॉक्टर अलग-अलग औषधि देते हैं। वैसे ही श्रीमत भी अलग-अलग होते है? एक आत्मा को अलग और दूसरी आत्मा को अलग।

बाबा- मनुष्य मत में और श्रीमत में अंतर नहीं होगा?

जिज्ञासु- अंतर होगा।

बाबा- मनुष्य □ेर के □ेर हैं। और श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ एक ही है। तो जो श्रेष्ठ तो श्रेष्ठ है वो जो दवाईयाँ बताता है वो एक ही बताता है। मूल दवाई है याद की। और वो अलग-अलग नहीं बताता है। एक ही दवाई बताता है। साकार में, साकार को पहचानो और निराकार बाप को याद करो। याद के बिगर और कोई दूसरा रास्ता नहीं है। जन्म-जन्मांतर के लिए निरोगी काया बनाने के लिए।

Time: 30.00-30.52
Student: Baba, when someone is afflicted by a physical disease, the doctor gives different medicines. Similarly, is *shrimat* also of different kinds? One kind of *shrimat* for one soul and another kind of *shrimat* for another soul.
Baba: Will there not be any difference between the opinion of a human being and *shrimat*?
Student: There will be a difference.
Baba: There are numerous human beings. And the most righteous one is only one. So, the medicine that the most righteous one prescribes is only one. The original medicine is of remembrance. And He does not say it differently to different persons. He prescribes only one medicine. Recognize the corporeal one and remember the incorporeal Father. There is no way other than remembrance to become healthy for many births.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय:30.55-33.50

जिज्ञासु- जीसस को विरोधि सूली पर चढ़ाते हैं बेहद में इसकी शूटिंग संगमयुगी पिरिय में कैसे होती है?

बाबा- जीसस वो है जिसमें वो अधूरी आत्मा, अधूरा धर्मपिता प्रवेश करता है। जो प्रवेश करने वाला है उसको सूली का दुख नहीं होता। और जिसमें प्रवेश करता है उसको सूली का दुख होता है।

जिज्ञासु- इसीलिए वो कहता है बाबा कि इसको क्षमा करो एक बार। जो सूली पर चढ़ाता है उनको क्षमा करने के लिए भगवान से प्रार्थना करता है।

Time: 30.55-33.50

Student: Jesus was crucified by his opponents; how does its shooting take place in the Confluence Age period in an unlimited sense?

Baba: Jesus is the one in whom the incomplete soul, the incomplete religious father enters. The one who enters does not experience the sorrow of the being crucified. And the one in whom he enters experiences the sorrow of being crucified.

Student: This is why Baba he says: pardon him once; He prays to God to pardon the one who crucified him.

बाबा- यहाँ उल्टा होता है। क्या? जीसस, जिसमें क्राइस्ट की आत्मा ने प्रवेश किया। उसने प्रवेश करके उसको दुख दिया। क्योंकि जितना भी प्रेशर पड़ा समाज का वो प्रवेश करने वाली आत्मा के ऊपर प्रेशर पड़ा या जिसमें प्रवेश हुआ जीसस के ऊपर प्रेशर पड़ा? जीसस के ऊपर समाज की विरोधाभास को सारा प्रेशर पड़ा गया। तो दुःख कौन भोगता है? जीसस ने भोगा। अब जो दुख भोगा उसने। उसको फाँसी की सजा दी गई। उसका हिसाब-किताब कब पूरा होगा? संगमयुग में यहाँ सारा लास्ट आखरी जन्म में आकरके वो हिसाब-किताब पूरा हो जाता है। वो जीसस बनने वाली आत्मा जो नारायण बनने वाली आत्मा है। अधूरा नारायण बनता है ना। वो अधूरा नारायण कनवर्ट होने वाली आत्मा है या कनवर्ट न होने वाली आत्मा है? कनवर्ट होने वाली आत्मा है। वो कनवर्ट होने वाली आत्मा सम्पूर्ण बनती है या नहीं बनती?

जिज्ञासु- नहीं बनती।

Baba: Here the opposite thing happens. What? Jesus, in whom the soul of Christ entered; he entered and gave him sorrow because was the pressure that was exerted by the society experienced by the soul that enters or by the one in which it entered, i.e. Jesus? Jesus experienced the pressure of the opposition by the society. So, who experiences sorrow? Jesus experienced sorrow. Well the sorrow that he experienced, he was hanged, when will that karmic account be settled? In the Confluence Age, here, in the last birth all the karmic accounts are settled. That soul which becomes Jesus, which becomes Narayan; he becomes an incomplete Narayan, doesn't he? Is that incomplete Narayan a soul that will convert or is it a soul that will not convert? It is a soul that will convert. Does that soul which converts become complete or not?

Student: It does not.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- नहीं। अपने नंबर पर सम्पूर्ण बनेगी कि नहीं बनेगी?

जिज्ञासु- नहीं बनेगी।

बाबा- अरे! सजायें खाकर सम्पूर्ण बनेगी या नहीं बनेगी? सजायें खाकर सम्पूर्ण तो बनेगी? यहीं संगम में ही बनेगी? जब वो सम्पूर्ण बनेगी तो उस क्राइस्ट में जो इसी दुनियाँ में कहीं होगा। जो ऊपर से आती है आत्मा द्वापरयुग में। उसमें प्रवेश करगी कि नहीं और उससे ज़बरदस्ती सनातन धर्म की स्थापना कराएगी या नहीं? और एक बाप की पहचान कराएगी। निमित्त बनेगी। तब जाकरके नारायण बनेगा सतयुग में। नहीं तो नारायण नहीं बनेगा।

जिज्ञासु- बाबा, ऐसे ही कुमारिका को भी होगा क्या?

बाबा- बिल्कुल होगा।

Baba: No. Will it become complete in its number or not?
Student: It will not.
Baba: Arey! Will it become complete after suffering punishments or not? Will it not become complete after suffering punishments? Will it become (complete) here in the Confluence Age itself? When it becomes complete, will it enter (the present body of the soul of) that Christ, who is somewhere in this world, who comes from above in the Copper Age or not? And will it force it to establish Sanatan Dharma or not? And it will cause the recognition of one Father. It will become an instrument. Only then he will become Narayan in the Golden Age. Otherwise, he will not become Narayan.
Student: Baba, will it be the same case with Kumarika (Dadi)?
Baba: Certainly.

समय:35.40-37.09

जिज्ञासु- बाबा, धर्मराज की सजा आठ के अलावा सबको भुगतना पड़ता है। वो भुगतने का समय कितने दिन या साल तक रहेगी?

बाबा- एक सेकण्ड में भी जन्म-जन्मांतर की सजा का भी अनुभव करेंगे।

Time: 35.40-37.09
Student: Baba, everyone except the eight suffer the punishments of Dharmaraj. How many days or years will that period of suffering last?
Baba: Even in a second, they will experience the punishment of many births.

जिज्ञासु- फिर वो सेकण्ड्स् कितना सेकण्ड्स हैं?

बाबा- फिर कितना सेकण्ड्स? वो इतनी मतलब...। जैसे कहते हैं ना दुख जो है वो थोड़े समय मिलता है तो लम्बा टाईम मालूम पड़ता है या छोटा टाईम मालूम पड़ता है? लम्बा टाईम मालूम पड़ता है। गीत भी बनाया हुआ है। क्या? भक्तिमार्ग वालों ने एक गीत बनाया है। ''समय तू जल्दी-जल्दी बीत। सुख में तो बिल्कुल नहीं ठहरे, लाख बिठायें तुझपर पहरे और दुःख में तो बिल्कुल रूक जाए। कैसी तेरी रीत? समय तू जल्दी-जल्दी बीत।'' तो ये हिसाब है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Then, how many seconds does it last?
Baba: Then how many seconds? That will last……. For example, it is said that when someone experiences sorrow for a short period, does it appear to be a long time or a short time? It appears to be a long time. A song has also been made. What? The people of the path of *bhakti* have made a song. '*Samay tu jaldi-jaldi beet, sukhh mein toh bilkul nahi thahrey, laakh bithaen tujh par pehrey aur dukh mein toh bilkul ruk jaaye. Kaisi teri reet? Samay tu jaldi-jaldi beet.*' (Time, pass quickly. In happiness you do not stay at all, even if we put you under a hundred thousand custody. And in sorrow you stop moving. What are your ways! Time, pass quickly). So, this is the calculation.

धर्मराज की सजायें इतनी कड़ी हैं कि लोग बीमार पड़ते हैं ना। कैंसर के मरीज कितने तड़पते हैं। उनको वो दुःख बड़ा दुख नहीं है। बाबा ने कहा है कैंसर का मर्ज बन जाए, वो सहन कर ले वो अच्छा। लेकिन धर्मराज की सजाओं से बच जायें।

किसी ने कुछ कहा।

बाबा- हाँ। वो धर्मराज की सजाओं का एक सेकण भी बहुत लम्बा है। बहुत तकलीफ है। जन्म-जन्मांतर की तकलीफ महसूस होती है।

The punishments of Dharmaraj are so harsh that people fall sick, don't they? The patients of cancer suffer so much. Their pain is not such severe pain. Baba has said that it is better if we become a cancer patient and tolerate it. But we should avoid the punishments of Dharmaraj.
Someone said something.
Baba: Yes. That one second of punishments of Dharmaraj is very long. It causes a lot of pain. It feels like pain of many births.

समय:37.11-38.22

जिज्ञासु- बाबा, मंदिरों में देवताओं को सुबह-सुबह जगाते हैं, उसको नहलाते हैं और रात में उनको सुलाते हैं। ये सभी करते हैं ऐसा क्यों होता है?

बाबा- जो भक्तिमार्ग में देवतायें हैं। उनकी सतयुग त्रेता की सवेरे की शूटिंग होती है कि नहीं? वो सतोप्रधान, सतोसामान्य पुरूषार्थ करते हैं कि नहीं संगमयुग में?

जिज्ञासु- करते हैं।

बाबा- तो वो उनका सवेरा हो गया। और रजोप्रधान और तमोप्रधान सोने की शूटिंग करते हैं कि नहीं संगमयुग में?

जिज्ञासु- करते हैं।

बाबा- करते हैं। तो वो उनका सोना हो गया। अज्ञान की नींद मे सोना, श्रीमत के बरखिलाफ कर्म करना, तमोप्रधान अवस्था बनाना, खुद दुःखी रहना और दूसरों को भी दुःखी करना। खुद भगवान को भूल जाना और दूसरों को भी भगवान को भुलाना। तो उसीकी आवृत्ति करते हैं।

Time: 37.11-38.22
Student: Baba, deities are awakened, bathed early in the mornings and made to sleep in the nights at the temples. They do all these things; why does it happen?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Does the shooting of the mornings of Golden Age and Silver Age take place for the deities of the path of bhakti or not? Do they make *satopradhan*[3], *satosamanya purusharth* (spiritual effort) in the Confluence Age or not?
Student: They do.
Baba: So, that is their morning. And do they perform the shooting of sleeping in the *rajopradhan* and *tamopradhan* stage during the Confluence Age or not?
Student: They do.
Baba: They do. So, that is their sleep. The sleep in ignorance, act against the *shrimat*, make the stage *tamopradhan*; remain sorrowful and make others sorrowful too; they themselves forget God and make others also forget God. So, they repeat that.

समय: 38.24-40.16

जिज्ञासु- ज्ञान में आने के बाद मरने के बाद कौन सूक्ष्म (शरीर) धारी बनते हैं? कौन-2 अलग जन्म लेते हैं?

बाबा- जो बेसिक नालेज तक सीमित रहते हैं। जिन्होंने सिर्फ अम्मा को ही पहचाना। अम्मा को ही गीता का भगवान समझ लिया। बड़े ते बड़ा साकार भगवान, ऊँच ते ऊँच भगवान-ब्रह्मा। बस। उनको शरीर छोड़ना पड़ेगा।

जिज्ञासु- शरीर छोड़ना पड़ेगा। ब्रह्मा शरीर छोड़ गया मगर वो सूक्ष्म शरीर धारी बन गया ना।

बाबा- सूक्ष्म शरीरधारी बन गया। ऐसे ही जो भी ब्रह्मा को फॉलो करने वाले होंगे उनको सूक्ष्म शरीरधारी बनना पड़ेगा।

जिज्ञासु- दादी?

बाबा- उनको भी सूक्ष्म शरीरधारी बनना पड़ेगा।

Time: 38.24-40.16
Student: After entering the path of knowledge, who takes a subtle body after death? Who take a separate birth?
Baba: Those who remain limited to the basic knowledge, those who have recognized only the mother, those who have considered only the mother the God of the Gita, those who consider Brahma e the highest corporeal God, the highest God, will have to leave their body.
Student: They will have to leave their body. Brahma left his body, but he took on a subtle body, didn't he?
Baba: He took on a subtle body. Similarly whoever follows Brahma will have to take on a subtle body.
Student: Kumarika Dadi?
Baba: She will also have to take on a subtle body.

[3] Satopradhan stage: consisting mainly in the quality of goodness and purity
Satosamanya stage: stage consisting of ordinary purity
Rajopradhan stage: consisting mainly in the quality of passion and activity
Tamopradhan stage: dominated by darkness and ignorance

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- वो अलग जन्म नहीं लेते हैं।

बाबा- साकार शरीर का जन्म नहीं ले सकते। अरे! अपने जीवन काल में उन्होंने अपना सरपरस्त किसको माना मरते दम तक? अपने से ऊँच किसको माना?

जिज्ञासु- ब्रह्मा को।

बाबा- ब्रह्मा को माना। तो जिंदगी भर उन्होंने अपने सारे पुरूषार्थी जीवन में जिसको ऊँच माना। अंत समय में वो आत्मा किसको ऊँच समझेगी? अंत मते सो गते क्या होगी? ब्रह्मा को ही ऊँच मानेगी। ब्रह्मा का ही जब शरीर छूट गया तो उनका शरीर रह जाएगा क्या?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- सवाल ही पैदा नहीं होता।

Student: Does she not take a separate birth?
Baba: She cannot take a corporeal birth. Arey! During her entire lifetime whom did she consider her chief till her last breath? Whom did she consider greater than herself?
Student: Brahma.
Baba: She considered Brahma (to be greater than herself). So, the one whom she considered to be greater than herself throughout her *purusharthi* life (the life in which we make spiritual effort); whom will that soul consider great in the end? As her thoughts in the end, what shall be her fate? She will consider Brahma higher. When Brahma himself left his body, will her body survive?
Student: No.
Baba: The question does not arise at all.

जिज्ञासु- मेरा प्रश्न ऐसा नहीं है। कौन-कौन सूक्ष्म धारी बनते हैं और कौन-2 अलग जन्म लेता है? ऐसा मेरा प्रश्न था।

बाबा- जो दुबारा जन्म लेते हैं। वो वही व्यक्ति दुबारा जन्म ले सकते हैं जिन्होंने ए□वांस नालेज ली हो। बाप से सन्मुख सुना हो।

जिज्ञासु- वो अलग जन्म लेगा।

बाबा- वो अलग जन्म ज़रूर लेंगे। भले अकाले मौत हो जाए बाई चाँस। तो भी उनको दुबारा जन्म लेना पड़ेगा।

Student: My question is not this. Who all become subtle bodied and who all take a separate birth? This was my question.
Baba: Those who take rebirth; only those people, who have obtained advance knowledge and have heard face to face from the Father, can take rebirth.
Student: He will take a separate birth.
Baba: He will certainly take a separate birth. Even if he meets an untimely death, by chance, he will have to take rebirth.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय: 40.20 – 41.26

जिज्ञासु- भारत में ज्योतिर्लिंग बहुत है। बद्रीनाथ, रामेश्वर, काशी, ओंकारेश्वर ये सभी बताते हैं। मगर ये सोमनाथ मंदिर का लिंग बहुत मानते हैं। ऐसा क्यों?

बाबा- क्योंकि पहला है ना।

जिज्ञासु- पहला है। मगर ये भी ईक्वल स्टेटस है ना।

बाबा- ये बाद में तैयार हुए हैं। 2500 वर्ष पहले जब राजा विक्रमादित्य का शासन था। तो राजा विक्रमादित्य ने सोमनाथ की पूजा की वो पहला-पहला मंदिर हुआ। माना जो भी सूर्यवंशी 12 विशेष आत्मायें हैं। जिनकी यादगार में वो शिवलिंग बनाए गए, ज्योतिर्लिंग उन्होंने अपने को लिंग स्वरूप में स्थिर कर लिया। तो नंबरवार स्थिर किया होगा या एक टाईम पर स्थिर कर लिया?

जिज्ञासु- नंबरवार।

बाबा- तो जिसने पहले स्थिर कर लिया उसका नाम पड़ गया सोमनाथ। सोम माना चंद्रमाँ। और नाथ माना उसका स्वामी। तो चंद्रमाँ का स्वामी कौन हुआ?

जिज्ञासु- प्रजापिता।

Time: 40.20-41.26

Student: There are a lot of *jyotirlings*[4] in India. Badrinath, Rameshwar, Kashi, Omkareshwar; all these are said to be *jyotirlings.* But the *ling* at Somnath temple is very famous. Why is it so?

Baba: Because it is the first one, isn't it?

Student: It is the first one. But others also have an equal status, don't they?

Baba: They have been built later on. 2500 years ago, when there was a rule of King Vikramaditya, he worshipped Somnath; so, that was the first temple. It means that all the 12 special *Suryavanshi* souls, in whose memory, those *Shivlings*, the *jyotirlings* were built, made themselves constant in the *ling* form. So, would they have made themselves constant numberwise or at the same time?

Student: Numberwise.

Baba: So, the one who became constant first of all was named Somnath. *Som* means moon. And *nath* means his lord. So, who is the lord of the Moon?

Student: Prajapita.

समय: 41.28-42.19

जिज्ञासु- बाबा, द्वापर में पावन सोल्स आकर पतित शरीर का आधार लेती है। पावन सोल्स आते हैं ना वो यहाँ पतित शरीर में प्रवेश करते हैं। केवल सुख ही सुख भोगते हैं।

बाबा- पहले जन्म में।

जिज्ञासु- पहले जन्म में जब वो शरीरधारी दुःख भोगता है तब वो पावन सोल उसी शरीर में होता है या शरीर को छोड़ ....

बाबा- दुःख भोगता है तो उसे रहने की क्या दरकार वो तो जब चाहे तब निकल जाए।

[4] ling form worshipped in the path of bhakti

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- निकल सकता है।

बाबा- हाँ। क्राइस्ट को जब सूली लगी, सूली पर चढ़ाया गया। तो जीसस ने दुख भोगा या प्रवेश करने वाले क्राइस्ट ने दुःख भोगा?

जिज्ञासु- जीसस ने।

बाबा- जीसस ने।

जिज्ञासु- माना उस समय क्राइस्ट की आत्मा शरीर छोड़कर भाग जाती है।

बाबा- निकल जाती है। तुम्हारे साथ हमारा ऐसा हिसाब किताब है तुम भोगो।

Time: 41.28-42.19

Student: Baba, pure souls come in the Copper Age and take the support of a sinful body. Pure souls come, don't they? They enter here in a sinful body. They enjoy only happiness.
Baba: In the first birth.
Student: In the first birth, when that bodily being experiences sorrow, does that pure soul (which comes from above) remain in the body or leave the body…..
Baba: When he (i.e. the soul who owns the body) is experiencing sorrow, where is the need for him (the soul which has come from above) to remain (in that body); it can leave whenever it wishes.
Student: It can go out.
Baba: Yes. When Christ was crucified, when he was put on the cross, did Jesus experience sorrow or did Christ, who entered (from above), experience sorrow?
Student: Jesus.
Baba: Jesus.
Student: It means that at that time the soul of Christ runs away from the body.
Baba: It goes out. (It tells the soul in whose body it entered) My karmic account with you is like this. You, suffer.

समय: 42.20-45.00

जिज्ञासु- बाबा, इस धरती पर जो चीज है। हम सब देख रहे हैं। तो आपने बताया- इन आँखों से हम जो देखते हैं वो सब खतम हो जाएगा।

बाबा- सब खलास हो जाएगा।

जिज्ञासु- मगर बचेगा क्या?

बाबा- बचेगा क्या। आत्मा। अविनाशी आत्मायें बचेंगी।

जिज्ञासु- अविनाशी आत्मायें बचती हैं। वो कहाँ रहेंगी? सब खतम हो जाता है ना।

बाबा- बर्फ में जाम हो जायेंगी।

जिज्ञासु- बर्फ के बाद?

बाबा- बर्फ के बाद बर्फ पानी बन जाएगा हम निकल आयेंगे।

जिज्ञासु- हम आते हैं। मगर ये सब खतम हो जाता है ना। ये पेड़, ये घर, ये सब।

बाबा- हाँ। जो अणु जहाँ से साईकल लगाना शुरू किया है। वो 5000 वर्ष का अणु साईकल लगाकरके फिर वहीं जाएगा। अणु-अणु। आत्मा भी अणु है। आत्मा जहाँ से साईकल लगाना

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

शुरू किया। इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर जहाँ से आई फिर वहाँ चक्कर लगाकरके वहीं उस मंच पर पहुँच करके फिर परमधाम वापस जाएगी। हर चीज का साईकल है।

Time: 42.20-45.00

Student: Baba, we all see whatever things are present on this Earth. So, you said that whatever we see through these eyes will perish.

Baba: Everything will perish.

Student: But what will survive?

Baba: What will survive? The soul. The imperishable souls will survive.

Student: The imperishable souls survive. Where will they live? Everything perishes, doesn't it?

Baba: They will freeze in ice.

Student: After ice?

Baba: After the stage of ice, the ice will melt and we will come out.

Student: We come (out). But all this perishes, doesn't it? These trees, these houses, all these.

Baba: Yes. From whichever point an atom starts its cycle; the atom will go to the same place after passing through the cycle of 5000 years. Every atom. A soul is also an atom. From whichever point a soul started its cycle, from whichever point it came on this world stage, it will pass through the cycle and return to the same stage and then go back to the Supreme Abode. Everything has a cycle.

जिज्ञासु- सब खतम होने के बाद हम कहाँ होते है?

बाबा- जो अविनाशी आत्मायें हैं। वो अविनाशी आत्माओं के शरीर भी अविनाशी हो जावेंगे; लेकिन तत्व बदल जायेंगे उनके। बर्फ में रखने के कारण। जैसे कोई साँप काट लेता है और साँप का विष पूरा चढ़ जाता है। शरीर नीला पड़ जाता है। तो जो साँप के काटे को सुधार देते हैं वो कहाँ रख देते हैं उसे। बर्फ में रख देते हैं या नदी की धारा के बीच ले जाकर रख देते हैं । धुलते धुलते धुलते धुलते कोई जिंदा भी हो जाता है। अभी अखबारों में निकाला था। कि कोई युगल जोड़ा निकल पड़ा बर्फ में से। कई जन्म पीछे की बात बताई कि ऐसे-2 हुआ। माना बर्फ में शरीर सुरक्षित रहते हैं।

Student: Where will we live after everything perishes?

Baba: The bodies of those imperishable souls will also become imperishable, but their elements will change because of being kept in ice. For example, if someone is bitten by a snake and if the snake's poison spreads (all over the body), the body turns blue; so, where do those who treat snake-bite cases, keep the body? They keep it in the body or else they keep it in the middle of a river's stream? Some people come back to life after being washed repeatedly (in the river stream). Recently it was published in the newspapers that a couple emerged from ice. They spoke about their experiences many births ago. It means that the bodies remain safe in ice.

जिज्ञासु- बर्फ में कितने लोग जाते हैं?

बाबा- जो शालिग्राम बनाए जाते हैं। रूद्रयज्ञ रचते हैं, शालिग्राम बनाते हैं तो ज्यादा से ज्यादा कितने शालिग्राम बनाते होंगे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- लाख, दो लाख।

बाबा- इससे ज्यादा नहीं बनाते। सूर्यवंशी और चंद्रवंशी बस।

जिज्ञासु- और 2½ लाख शरीर छोड़ देंगे।

बाबा- वो तो दूसरे धर्म में कनवर्ट होने वाले बीज हैं ना। जो दूसरे धर्म के बीज हैं उनको तो फिर जाना ही जाना है।

Student: How many people are buried under ice?
Baba: *Shaligrams* are prepared. When a *Rudra yagya* is organized, *shaligrams* are prepared. So, at the most how many *shaligrams* are prepared?
Student: A lakh or two.
Baba: Not more than that. *Suryavanshi* and *Chandravanshi.* That is all.
Student: And two and a half lakh will leave their bodies.
Baba: So, they are seeds, who are converted to other religions, don't they? Those who are seeds of other religions have to definitely go.

समय:45.05-46.40

जिज्ञासु- बाबा, अशोक चक्र में 24 लाईन्स दिखाते हैं ना। भारत के झंो में भी है। उनमें से 12 सूर्यवंशी है और 12 चंद्रवंशी है। वो चंद्रवंशी कौनसी माला वाले हैं रूद्रमाला वाले हैं या विजयमाला वाले?

बाबा- सूर्यवंशी और चंद्रवंशी। जो सूर्यवंशी 12 हैं वो अशोक चक्र में दिखाए गए हैं। और चंद्रवंशी अशोक चक्र में दिखाए गए हैं। 24 दिखाए हैं ।

जिज्ञासु- 24

Time: 45.05-46.40
Student: Baba, 24 lines are shown in the *Ashok Chakra*, aren't they? They are shown in India's flag as well. Among them 12 are *Suryavanshis* and 12 are *Chandravanshis*. Do those *Chandravanshis* belong to the *Rudramala* or to the *Vijaymala*?
Baba: *Suryavanshis* and *Chandravanshis*. The 12 Suryavanshi have been shown in the *Ashok Chakra*. And *Chandravanshis* have been shown in the *Ashok Chakra*. 24 have been shown?

बाबा- अच्छा। जो 24 दिखाए गए हैं वो 24 अवतारों में से तो नहीं हैं? अवतार कितने माने जाते हैं? 24 अवतार माने जाते हैं। 24 अवतार जो माने गए हैं उनमें 12 तो हो गए सूर्यवंशी और 12 हो गए चंद्रवंशी। तो चंद्रवंशी, सूर्यवंशी ठेठ सूर्यवंशी, चंद्रवंशियों की बात है या रूद्रमाला में ही सूर्यवंशी, चंद्रवंशी हैं?

जिज्ञासु- रूद्रमाला में भी है ।

बाबा- रूद्रमाला में ही थेट सूर्यवंशी भी हैं और ठेठ चंद्रवंशी जो हैं वो भी रूद्रमाला में हैं।

जिज्ञासु- हाँ जी। जगतम्बा। तो उन्हीं को दिखाया है।

बाबा- उन्हीं को दिखाया है। चक्र घूमता रहता है।

Baba: OK. Are those 24 not the same as the 24 incarnations? How many incarnations are there believed to be? There are believed to be 24 incarnations. Among the 24 incarnations 12 are *Suryavanshis* and 12 are *Chandravanshis*. So, as regards the *Chandravanshis* and

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Suryavanshis, is it about the actual *Suryavanshis* and *Chandravanshis* or are the *Suryavanshis* and *Chandravanshis* in the *Rudramala* itself?
Student: It is also in the *Rudramala*.
Baba: In the *Rudramala* itself there are actual *Suryavanshis* and the actual *Chandravanshis* are also in the *Rudramala* itself.
Student: Yes. Jagadamba. So, they have been shown.
Baba: They have been shown. The cycle keeps revolving.

समय:46.45-47.44

जिज्ञासु- बाबा, संस्कृत भाषा कब से शुरू हुई? उसकी शुरूवात कब से हुई?

बाबा- संस्कृत माना सुधारी हुई।

जिज्ञासु- वो द्वापर के आदि में हुई.....

बाबा- द्वापर के आदि में माना त्रेता के अंत में भाषा होती ही नहीं है इतनी। इशारे की भाषा होती है। क्या? इशारे की भाषा होती है। उनकी आत्मा ही इतनी तीव्र गति वाली होती है, एकाग्र होती है। कि थोड़ा सा इशारा किया दूसरे ने समझ लिया। और यहाँ? यहाँ तो हम कोई को इशारे करें दूसरा दूसरा समझ लेता है। क्योंकि आत्मा-2 से मेल ही नहीं खा रही है। कभी ऐसे होता है ना? कोई आदमी कुछ बात कहता है दूसरा आदमी उसका दूसरा अर्थ लगा लेता है। बाबा बोलते हैं। बाबा की बात का एक अर्थ ज्यों का त्यों समझ लेता है। और दूसरे उस अर्थ को समझ ही नहीं पा रहे। ऐसा क्यों होता है?

जिज्ञासु- देहअभिमान।

बाबा- हाँ।

Time: 46.45-47.44
Student: Baba, when did Sanskrit language begin? When did it start?
Baba: Sanskrit means refined.
Student: In the beginning of the Copper Age…..
Baba: In the beginning of the Copper Age, i.e. in the end of the Silver Age there is not much language. There is a language of signs. What? There is a language of signs. Their soul is so dynamic, so concentrated that the other person understands just by gestures. And here? Here, if we make a gesture to someone the other person interprets it in a different way because one soul does not match with the other. Sometimes it happens like this, doesn't it? One person says something; the other person interprets it in a different way. Baba speaks. One person understands the meaning of Baba's versions as it is. And others are not able to understand that meaning at all. Why does it happen?
Student: Body consciousness.
Baba: Yes.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय:47.45-48.22

जिज्ञासु- बाबा, जैसे हम शरीर छोड़ते हैं ना। शरीर छोड़ने से पहले हमको अनुभव होता है क्या?

बाबा- सबको अनुभव नहीं होता। जो देवतायें होते हैं। देवात्मायें होते हैं शरीर छोड़ते हैं तो उनको अनुभव हो जाता है। मैं ऐसे-2 जाकर जन्म लूँगा, ये शरीर छोड़ना है। यहाँ भी ऐसे होते हैं कोई-कोई का, पहले से उनको पता चल जाता है और बोल भी देते हैं। कि हमें ये शरीर छोड़ना है। छोड़ देते हैं। ये आत्मा की स्टेज की बात है।

Time: 47.45-48.22
Student: Baba, for example we leave the body, don't we? Before leaving the body, do we have any experience (that we are going to leave the body)?
Baba: Everyone does not experience it. Those who are deities, those who are deity souls, when they leave their bodies, they experience: I will go and be born like this; I have to leave this body. Even here, there are people, there are some people who know beforehand and even tell [others] about it, 'I have to leave this body'. They leave it. It is about the stage of the soul.

समय: 48.25-50.00

जिज्ञासु- बाबा, जिन आत्माओं ने ब्रह्मा को फॉलो किया है। वो अलग जन्म नहीं लेते हैं अगर अचानक मर जाते हैं।

बाबा- हाँ।

जिज्ञासु- वो अलग जन्म लेते हैं।

बाबा- अलग जन्म माना शरीर से जन्म नहीं मिलता उनको।

जिज्ञासु- एक एक्ज़ाम्पल- एक बी.के है वो ब्रह्मा को फॉलो कर रहे थे। अभी मर जाएगा वो सूक्ष्म धारी बन जाता है या ....?

बाबा- हाँ, सूक्ष्म शरीर धारी बनता है।

Time: 48.25-50.00
Student: Baba, the souls which have followed Brahma do not take a separate birth if they die suddenly.
Baba: Yes.
Student: They take a different birth.
Baba: Different birth means that they do not take a physical birth.
Student: For example – Suppose there is a BK and he follows Brahma. If he dies now, does he take on a subtle body or….?
Baba: Yes, he takes on a subtle body.

जिज्ञासु- वो अलग जन्म नहीं लेता है अब। अभी टाईम है। तो अलग जन्म लेने का.....।

बाबा- नहीं। क्योंकि उसे निश्चय ही वहाँ पर है बेसिक नालेज में। उससे ऊँच ते ऊँच जो भगवान हैं। वो उनका कहाँ तक है? ब्रह्मा। ब्रह्मा ऊँच ते ऊँच भगवान उनका है। उन्हें पता ही नहीं कि इससे भी ऊँचा कोई भगवान का स्वरूप है। ऐसे ही दूसरे धर्मों में भी हैं। जो क्राइस्ट को ही भगवान माने बैठे हैं। क्राइस्ट को ही ऊँच ते ऊँच माने बैठे हैं। वो क्राइस्ट तक ही

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सीमित रहेंगे।

जिज्ञासु- और लौकिक के लोग ज्ञान में नहीं आए हैं। वो मरते हैं तो जन्म लेते हैं या नहीं।

बाबा- उनकी तो बात ही मत पूछो। वो तो जन्म-मरण का चक्र उनका चल ही रहा है। उनका तो जन्म-मरण का चक्र चल ही रहा है। जो ज्ञान ले चुके हैं भगवान को जिन्होंने बेसिकली और ए□वांस के तरीके से पहचाना है उनकी बात करें। दुनियाँ वालों की तो बात ही नहीं।

Student: He does not take a separate birth now. Now it is the time. So, taking a separate birth….

Baba: No because he has faith only there in the basic knowledge. For them who is the highest God? Brahma. Brahma is their highest God. They do not at all know that there is a form of God higher than this one. Similar is the case with other religions. Those who consider Christ to be God, those who consider Christ to be the highest among all will be limited to Christ only.

Student: And worldly people have not entered the path of knowledge. When they die, do they take birth or not?

Baba: Their question does not arise at all. They are anyway passing through the cycle of birth and death. They are definitely passing through the cycle of birth and death. Talk about those who have obtained knowledge, those who have recognized God basically and through advance knowledge. There is no question of the people of the world.

समय:51.51-53.12

जिज्ञासु- ये ए□वांस आत्मायें कब से माऊण्ट आबू जाना प्रारम्भ होते हैं?

बाबा- जब से सजा खाने की शुरूवात होती है।

जिज्ञासु - सन् बताइए बाबा।

बाबा- ऐसे नहीं। हर चीज स्पष्ट थोड़े ही ....। आखरीन सजा खाने की शुरूवात किससे होगी? कौनसे नंबर मणके से सजा खाने की शुरूवात होगी? नौवां नंबर।

जिज्ञासु - नौवां मणका।

बाबा- नौवां मणका है। नौवां मणका है सजा खाना शुरू करेगी। तो नौवां मणका वो माऊण्ट में जाकर सजा खाएगा या इस दुनियाँ में सजा खाएगा? इसी दुनियाँ में सजा खाएगा। सद्गुरू निंदक ठौर न पावे। कैसा ठौर? जहाँ सजा खानी पड़े? कौनसे ठौर का गायन है? ठौर माना स्थान। ऐसे ठौर का गायन है जहाँ सजा खानी पड़े? सद्गुरू की जो निंदा कराते हैं। वो सद्गुरू ने जो ठौर बनाया वो ठौर नहीं प्राप्त कर सकते। तो कहाँ जायेंगे? ऐसी विनाशी दुनियाँ में जायेंगे जहाँ उनको सजायें खानी पड़े। वहाँ जाकर सेवा करेंगे। तब उनके पाप भस्म होते हैं।

Time: 51.51-53.12

Student: When do these advance (party) souls start going to Mount Abu?

Baba: From the time when they start suffering punishments.

Student: tell me the year Baba.

Baba: No. Not everything is said clearly….. Ultimately, from whom will the suffering begin? From which number bead the punishments begin? From the ninth [bead].

Student: Ninth bead.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The ninth bead. The ninth bead will start suffering punishments. So, will the ninth bead go to Mt. Abu and suffer punishments or will it suffer punishments in this world? It will suffer punishments in this world itself. The one who defames the sadguru will not find the destination. What kind of destination? Is it the destination where it suffers punishments? Which destination is famous? Destination means place. Is any place for punishments famous? Those who cause defamation of the sadguru, they cannot reach the destination which the sadguru has fixed. So, where will they go? They will go to such a perishable world where they have to suffer punishments. They will go there and serve. Then their sins are burnt.

समय: 59.15-1.00.05

जिज्ञासु- ये बोल रहा है। वो याद कर रहा है वो याद बाप को टच करता है या नहीं?

बाबा- जो बहुत याद करें....। अभी तो बोला जो बहुत याद करते हैं जिनकी अ□ोल याद होती है। वो याद टच करती है। याद से याद मिलती है। अरे! टेलीफोन का कनेक्शन भिड़ाया और बीच में कहीं □िस्टर्ब हो गया। तो कनेक्शन जुड़ेगा?

जिज्ञासु- नहीं जुड़ेगा।

बाबा- ये भी कनेक्शन है। कनेक्शन एकाग्र होगा। क्या? तो याद से याद मिलेगी। अभी हम इधर याद कर रहें हैं। और इधर कोई दूसरा इंटरफियर कर गया ऊंगली लगाके। याद □िस्टर्ब हो गई। तो याद से याद कैसे मिलेगी? अ□ोल याद होनी चाहिए।

Time: 59.15-01.00.05
Student: This brother is telling that if he remembers (the Father), do those thoughts touch the Father or not?
Baba: The one who remembers a lot.....Just now you were told that those who remember (Baba) a lot, those whose remembrance is unshakeable, that remembrance touches (Baba). Thoughts meet thoughts. Arey! If you connect the telephone and if it is disturbed somewhere in between, then will the connection work?
Student: It will not.
Baba: This is also a connection. (If) The connection is focused. What? Then, the thoughts will meet thoughts. Now, here, we are remembering. And if someone else interferes, pokes his finger, the remembrance is disturbed; so how the thoughts will meet thoughts? The remembrance should be unshakeable.

समय:01.00.09-01.00.50

जिज्ञासु- बाबा, ये बीजरूप आत्माओं में भी कनवर्ट हो जाते हैं क्या?

बाबा- बीज एक तरह के हैं क्या? बीज अनेक प्रकार के हैं कि एक प्रकार के हैं?

जिज्ञासु- अनेक प्रकार के।

बाबा- अनेक प्रकार के हैं तो कोई का मोटा छिल्का, कोई का बहुत महीन छिल्का। जो मोटा छिल्का वाले हैं वो देर में अपना छिल्का उतार पाते हैं देहभान का। जो महीन छिल्के वाले हैं उनका छिल्का जल्दी उतार जाता है। जिनका जल्दी छिल्का उतर जाता है वो श्रेष्ठ हैं। जिनका देहभान का छिल्का बाद में उतरता है वो निक्रष्ठ हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 01.00.09-01.00.50
Student: Baba, do the seed-form souls also convert?
Baba: Are the seeds only of one kind? Are the seeds of different kinds or of one kind?
Student: Of different kinds.
Baba: They are of different kinds. So, some have a thick peel and some have a very thin peel. So, those who have a thick peel are able to shed their peel of body consciousness late. Those who have a thin peel shed their peel easily. Those who are able to shed their peel easily are righteous. Those, whose peel of body consciousness is removed late, are degraded.

समय:01.00.52-01.01.35

जिज्ञासु- बाबा, अंत में करोड़ों आत्मा सतोप्रधान बनता है। आटोमेटिकली वायब्रेशन से सभी जीव जंतु भी सतोप्रधान बनता है। मगर हम सब याद करने के बाद सतोप्रधान बनते हैं। धर्मराज की शिक्षा अनुभव करने के बाद सतोप्रधान बनते हैं। मगर वो प्राणी, जंतु किसी की शिक्षा अनुभव करके सतोप्रधान नहीं बनते हैं।

बाबा- बात ये है कि ज्यादा पाप मनुष्य करता है या दूसरे जीव-जंतु पाप ज्यादा करते हैं।

जिज्ञासु- मनुष्य।

बाबा- याद भी तो ज्यादा करना पड़े।

Time: 01.00.52-01.01.35
Student: Baba, in the end millions of souls become pure. Through their vibrations, all the living beings become pure automatically. But we all become pure through remembrance. We become pure after suffering the punishments of Dharmaraj. But those living beings do not become pure after suffering punishments.
Baba: The main issue is does a human being commit more sins or do other living beings commit more sins?
Student: The human beings.
Baba: So, it is they who will have to remember more.

……..……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info